(i) Printed Pages : 2 Roll No. .....

(ii) Questions : 6 Sub. Code : 0 5 0 7

Exam. Code : 0 0 0 6

B.A./B.Sc. (General) 6th Semester

1048

HINDI

Paper–Elective

Time Allowed : Three Hours] **[Maximum Marks : 90**

नोट :—सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

1. (क) निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए :—

इसी तरह पाठ्यक्रम की पुस्तकें देखकर किसी विद्यार्थी का वास्तविक रूप नहीं जाना जा सकता। उसे वह रखता है, क्योंकि उसे रखना पड़ता है। इससे अधिक से अधिक यही पता चल सकता है कि उसका ध्यान पाठ्यपुस्तकों के संग्रह की ओर कितना है। परंतु उसका भीतरी रूप तो उन पुस्तकों के संग्रह से मालूम होता है कि जिन्हें पाठ्यक्रम की दृष्टि से बेकार कहा जाएगा। नियमों की सीमा से चलते हुए आदमी नहीं पहचाना जाता, नियमों को तोड़ने अथवा उनकी सीमा समाप्त होने पर पहचाना जाता है।

अथवा

तुमसे क्या कहूँ, कितना सरस, कितना भावुक, कितना साहसी आदमी था। देश की दशा देख-देखकर उसका खून जलता रहता था। 19–20 की कोई उम्र होती है, पर वह उसी उम्र में अपने जीवन का मार्ग निश्चित कर चुका था। सेवा करने का अवसर पाकर वह इस तरह उसे पकड़ता था, मानो सम्पत्ति हो। जन्म का विरागी था। वासना तो उसे छू ही न गयी थी। हमारे और साथी सैर-सपाटे करते थे ; पर उसका मार्ग सबसे अलग था। सत्य के लिए प्राण देने को तैयार, कहीं अन्याय देखा और भवें तन गयीं। 6

(ख) 'अकेली' कहानी में मन्नू भण्डारी ने सोमा बुआ के अकेलेपन की मार्मिकता को किस प्रकार रेखांकित किया है ? स्पष्ट करें।

अथवा

सुभान खान का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में करें। 10

2. किन्हीं **दो** विधाओं के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए :

उपन्यास, नाटक, आत्मकथा, संस्मरण। 2×12=24

3. किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए :—

(i) किताब का साथ, सबसे बड़ा साथ।

(ii) हिन्दी का बदलता स्वरूप।

(iii) पर्यावरण-संरक्षण में जनता की भागेदारी।

(iv) महिला सुरक्षा।

(v) साहित्य पढ़ना क्यों जरूरी ?

(vi) तुलसी का आदर्शवाद।

(vii) कबीर आज भी प्रासंगिक !

(viii) भक्तिकाल : स्वर्णयुग। 20

4. निम्नलिखित छंदों में से किन्हीं **तीन** के लक्षण सोदाहरण लिखिए :—

सोरठा, रोला, सवैया, हरिगीतिका, इन्द्रवज्रा। 3×5=15

5. देवनागरी लिपि के विकास पर प्रकाश डालें।

अथवा

देवनागरी लिपि के गुण एवं दोषों की समीक्षा करें। 10

6. 'मकान बिकाऊ है' — इसके लिए विज्ञापन का प्रारूप बनाएं।

अथवा

'गृह-प्रवेश' के लिए रिश्तेदारों को निमंत्रण-पत्र द्वारा बुलावा भेजें। 5